

प्रेषक,

एम0एच0 खान,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मुख्य महाप्रबन्धक  
उत्तराखण्ड जल संस्थान,  
देहरादून।

पेयजल अनुभाग-2

देहरादून : दिनांक 28 मई, 2009

विषय :- राज्य योजना नगरीय के अन्तर्गत मसूरी पेयजल योजनाओं में पाइप लाइनों के जीर्णोद्धार/विस्तार कार्यों हेतु वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 4975/अप्रैल-03/प्राक्कलन ग0/2008-09 दिनांक 27.02.2009 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2009-10 में राज्य योजना नगरीय के अन्तर्गत मसूरी की निम्नलिखित पेयजल योजनाओं हेतु रू0 25.68 लाख की धनराशि के प्रस्ताव पर टी0ए0सी0 वित्त के परीक्षणोपरान्त औचित्यपूर्ण पायी गयी धनराशि रू0 24.71 लाख (रूपये चौबीस लाख इक्कहत्तर हजार मात्र) व्यय हेतु निम्नशर्तानुसार आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

(धनराशि रू0 लाख में)

क्र0 सं0	योजनाओं का नाम	प्रस्तावित लागत	अनुमोदित लागत
01	02	03	04
01	मसूरी नगर की जवरखेत/वाटगाड क्षेत्र की पाइप लाइन का जीर्णोद्धार/विस्तार	6.88	6.83
02	मसूरी नगर की डगलस डेल/बालोंगंज क्षेत्र की पाइप लाइन का जीर्णोद्धार/विस्तार	8.76	8.07
03	मसूरी में स्थित विभिन्न पम्पिंग स्टेशनों पर स्थापित पम्प संयंत्रों की मरम्मत	10.04	9.81
	योग :-	25.68	24.71

2- स्वीकृत धनराशि का आहरण मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड जल संस्थान, देहरादून के हस्ताक्षर तथा जिलाधिकारी, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षरयुक्त बिल देहरादून कोषागार में प्रस्तुत करके आवश्यकतानुसार ही किशतों में आहरित किया जायेगा। आहरण से सम्बन्धित बाउचर संख्या एवं दिनांक की सूचना शासन एवं महालेखाकार को तत्काल उपलब्ध कराई जाय।

- 3- स्वीकृति की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2010 तक पूर्ण उपयोग कर कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण-पत्र शासन को प्रस्तुत किया जाय।
- 4- कार्य कराने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शिडयूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गई हो, की स्वीकृति पर नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदन करना आवश्यक होगा।
- 5- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य को प्रारम्भ न किया जाय।
- 6- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना की स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय। साथ ही सामग्री के क्रय हेतु उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 के प्राविधानों की अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- 7- एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करने के उपरान्त कार्य टेकअप किया जाय।
- 8- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग/विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को कराना सुनिश्चित करें।
- 9- निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी प्रयोगशाला में टैस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पाई जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।
- 10- कार्य कराने से पूर्व उच्च अधिकारियों एवं भू-गर्भवेता से कार्य स्थल का भली भौति निरीक्षण अवश्य करा लिया जाय। निरीक्षण के पश्चात दिये गये निर्देशों के अनुरूप ही कार्य कराया जाय।
- 11- निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाय तथा उपयुक्त सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।
- 12- मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या 2047/XIV-219(2006) दिनांक 30.05.2006 एवं निर्माण एजेन्सी के विषय में समय-समय पर शासन द्वारा निर्गत आदेशों का कार्य करते समय या आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- 13- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 में अनुदान संख्या-13 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक "2215-जलापूर्ति तथा सफाई-01-जलपूर्ति-आयोजनागत-101-शहरी जलपूर्ति कार्यक्रम-05-नगरीय पेयजल-03-नगरीय पेयजल योजनाओं का पुनर्गठन/जीर्णोद्धार/सुदृढीकरण हेतु अनुदान-20-सहायक अनुदान/ अंशदान राजसहायता" के नामे डाला जायेगा।
- 14- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 55/XXVII (2)/2009 दिनांक 25 मई, 2009 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहें हैं।

भवदीय,

(एम0एच0 खान)  
सचिव

पृ०सं० 612(i) / उन्तीस(2) / 08-2(19पे०) / 2009 तददिनांकित

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. मण्डलायुक्त गढ़वाल, पौड़ी।
3. जिलाधिकारी, देहरादून।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
5. प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, देहरादून।
6. वित्त अनुभाग-2 / वित्त (बजट सैल) / राज्य योजना आयोग उत्तराखण्ड।
7. बजट अधिकारी (बजट निदेशालय), उत्तराखण्ड।
8. निजी सचिव, मा० पेयजल मंत्री को मा० मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
9. स्टाफ ऑफिसर-मुख्य सचिव, को मुख्य सचिव महोदय के अवलोकनार्थ।
10. प्रभारी अधिकारी, मीडिया सैन्टर, सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, देहरादून।
- ✓ 12. निदेशक, एन०आई०सी० सचिवालय परिसर, देहरादून।
13. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,  
  
(टीकम सिंह पँवार)  
संयुक्त सचिव